

देहात्मज्ञान पुं. (तत्.) यह ज्ञान कि देह और आत्मा एक ही हैं।

देहात्मवाद पुं. (तत्.) यह मत कि आत्मा और कुछ नहीं बल्कि यह शरीर ही आत्मा है, नास्तिकवाद, चार्वाक मत।

देहात्मवादी पुं. (तत्.) देहात्मवाद का समर्थक, चार्वाक के मत का अनुयायी, नास्तिक।

देहात्मा पुं. (तत्.) शरीर और आत्मा **वि.** प्रायः समस्त रूप में प्रयुक्त जैसे- देहात्मज्ञान।

देहावशेष पुं. (तत्.) 1. शरीर के छूटने के पश्चात् सुरक्षित रखे गए दाँत, केश आदि अंग टि. प्राचीनकाल में महापुरुषों के ये अंग मंजूषा आदि में सुरक्षित रखने की परंपरा थी, मिस्र के पिरामिड इन्हीं के लिए प्रसिद्ध हैं 2. दाह-संस्कार के पश्चात् बची हुई अस्थियाँ जिन्हें भारत में गंगा आदि में प्रवाहित करने की परंपरा है 3. ईसाई, मुस्लिम आदि धर्मों के अनुसार गाड़े गई मृतदेहों के अवशेष।

देहावसान पुं. (तत्.) देहांत, शरीरांत, मृत्यु।

देही वि. (तत्.) देह या शरीर को धारण करने वाला, आत्मा, जीवात्मा।

दैत्य पुं. (तत्.) 1. कश्यप ऋषि की दिति नामक पत्नी से उत्पन्न पुत्र 2. विशालकाय और अत्यंत शक्तिशाली व्यक्तित्व 3. असुर 4. भयानक आकृति वाला व्यक्ति, दानव।

दैत्यगुरु पुं. (तत्.) दैत्यों के गुरु, शुक्राचार्य।

दैत्यारि पुं. (तत्.) 1. दैत्यों के शत्रु, देवता 2. इंद्र, विष्णु।

दैनंदिन वि. (तत्.) प्रतिदिन का, प्रतिदिन होने वाला अव्य. प्रतिदिन, दिन-प्रति-दिन, नित्य।

दैनंदिनी वि. (तत्.) प्रतिदिन होने वाली स्त्री. प्रशा. 1. दिन-प्रतिदिन के कार्यों या घटनाओं को क्रमानुसार लिखने की पुस्तिका (डायरी) 2. पुलिस थानों में रोज की सूचनाओं (रिपोर्ट) को दर्ज करने के लिए प्रयुक्त पुस्तिका, रोजनामचा, दैनिक रजिस्टर बाणि. नैखा प्रतिदिन के लेन-

देन को लिखने के लिए प्रयुक्त प्रारंभिक पुस्तिका या बही।

दैनिक वि. (तत्.) 1. दिन से संबंधित 2. प्रतिदिन होने वाला या किया जाने वाला 3. एक दिन में होने वाला।

दैनिक भत्ता पुं. (तत्.+तद्) प्रशा. कार्यालय के काम से कार्यस्थल से बाहर (दूसरे शहर में) जाने या कार्यालयेतर कर्मचारियों के बाहर से आकर कार्यस्थल पर काम करने की स्थिति में दैनिक व्ययों की प्रतिपूर्ति के निमित्त कर्मचारी को प्रतिदिन के हिसाब से दी जाने वाली धनराशि।

दैनिक मजदूर पुं. (तत्.+फा.) वह मजदूर जो नियमित रूप से एक स्थान पर काम न करके प्रतिदिन की मजदूरी के आधार पर (कभी एक स्थान पर तो कभी दूसरे स्थान पर) काम करता है।

दैनिक मजदूरी स्त्री. (तत्.+फा.) किसी दैनिक मजदूर की एक दिन की मजदूरी।

दैनिक समाचार पत्र पुं. (तत्.) वह समाचार-पत्र जिसमें प्रतिदिन के समाचार होते हैं तथा जो प्रतिदिन छपता है।

दैनिकी पुं. (तत्.) दे. दैनंदिनी।

दैन्य पुं. (तत्.) 1. दीनता, गरीबी, निर्धनता 2. लाचारी, विवशता 3. अपने को छोटा समझने का भाव, हीनता।

दैया पुं. (तद्.) भाग्य, दैव, परमात्मा स्त्री. धाय, दाई, माता अव्य. (देश.) आश्चर्य, दुःख आदि की सूचना देने वाला विस्मयबोधक शब्द।

दैर्घ्य पुं. (तत्.) दीर्घता, बड़ा होने का भाव, लंबाई।

दैव वि. (तत्.) 1. देव (देवता) से संबंधित, देवता का 2. दिव (स्वर्ग) से संबंधित, स्वर्ग का, स्वर्गीय 3. भाग्य से संबंधित 4. प्रकृति से संबंधित पुं. 1. भाग्य 2. भाग्य का निर्धारण करने वाली शक्ति, परमात्मा, ईश्वर, देवता।

दैवकृत वि. (तत्.) विधि. वह (घटना इत्यादि) जिसके लिए किसी व्यक्ति को उत्तरदायी न